Ph.: Off.: 2633233/2955977
aryawani.ngp@gmail.com

|| ओ३म् ||

# दयानन्द आर्य कन्या महाविद्यालय

आर्य विद्या सभा द्वारा संचालित
(Regd. under Societies Act. XXI)
जरीपटका, नागपुर ४४००१४.

## Brief Report

## Brief Report of Project / Field/ Internship Work (1.3.3)

| | | |
|---|---|---|
| Name of the Project Undertaken | Social Structure | |
| Academic Session | 2018-19 | |
| Organizing Department/ Committee | Sociology Department | |
| Total Number of Students Participated in the Project | 20 | |
| Brief Report | The Project entitled **Social Structure** was undertaken by the **Department of Sociology** during the session of 2018-19 under the guidance of Internal Quality Assurance Cell of the Institution. Total – students participated in the project activity and successfully completed the project. The completion certificate has been given to the students. All students found it very interesting to learn through the experiential learning. They enjoyed the project work. | |
| Criterion :1 | Metric no-1.3.3 | |
| Signature of Co-Ordinator | Signature & Stamp of IQAC Co-Ordinator<br>IQAC Coordinator<br>Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya<br>Jaripatka, Nagpur | Signature of & Stamp of Principal<br>Principal<br>Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya<br>Jaripatka, Nagpur |

Ph.: Off.: 2633233/2955977
aryawani.ngp@gmail.com

|| ओ३म् ||

# दयानन्द आर्य कन्या महाविद्यालय

आर्य विद्या सभा द्वारा संचालित
(Regd. under Societies Act. XXI)
जरीपटका, नागपुर ४४००१४.

## Students Information

| S.N. | Name of Student | Program | Class |
|---|---|---|---|
| 1 | Aarti V. Singh | B.A. | B.A.I |
| 2 | Bharti J. Bisen | B.A. | B.A.I |
| 3 | Deepa A Shetti | B.A. | B.A.I |
| 4 | Diksha M. Gautam | B.A. | B.A.I |
| 5 | Firdaus F. Ansari | B.A. | B.A.I |
| 6 | Hrutuja F. Jambhulkar | B.A. | B.A.I |
| 7 | Isha A. Walde | B.A. | B.A.I |
| 8 | Jyoti A. Mishra | B.A. | B.A.I |
| 9 | Khushboo S. Meshram | B.A. | B.A.I |
| 10 | Manisha M. Neware | B.A. | B.A.I |
| 11 | Neha R. Kanojiya | B.A. | B.A.I |
| 12 | Pooja S. Bhagat | B.A. | B.A.I |
| 13 | Riya N. Gupta | B.A. | B.A.I |
| 14 | Sanjana V. Dubey | B.A. | B.A.I |
| 15 | Sapna S. Rajput | B.A. | B.A.I |
| 16 | Tanu R. Dakha | B.A. | B.A.I |
| 17 | Tanushree R. Waghmare | B.A. | B.A.I |
| 18 | Triveni R. Dhamgaye | B.A. | B.A.I |
| 19 | Uzma Sheikh | B.A. | B.A.I |
| 20 | Vidhi K. Charote | B.A. | B.A.I |

# Front Page of Project

ओ३म्

**_ARYA VIDYA SABHA'S_**

# DAYANAND ARYA KANYA MAHAVIDYALAYA

**Jaripatka, Nagpur.**

## *" Dr. Babasaheb Ambedkar:- Criticism of Caste*

**Organised By**

**Department of Sociology**

# *CERTIFICATE*

This is to certify that Ku.    Khushboo M. Meshram

Student  Of  B.A I  participated in *Social Structure*  from October 2018 to  Nov 2018.

Co-Ordinator
Ms. Divya H. Parekar
Dept. of Sociology
DAKM, Nagpur

Principal
Dr. ShraddhaAnilkumar
DAKM, Nagpu

DAKM, Nagpur

# Project Copy

## अनुक्रमणिका


| क्रमांक नं | विकल्प का नाम | पृष्ठ क्रमांक |
|---|---|---|
| 1 | विषय का चुनाव | 1-2 |
| 2 | अध्ययन के उद्देश्य | 2 |
| 3 | सामाजिक संरचना से संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन | 3-4 |
| 4 | अध्ययन का महत्व | 5 |
| 5 | सामाजिक संरचना की शोध प्रविधि | 6 |
| 6 | निरीक्षण | 7 |
| 7 | विश्लेषण | 8 |
| 8 | निष्कर्ष | 9 |

# Project Copy



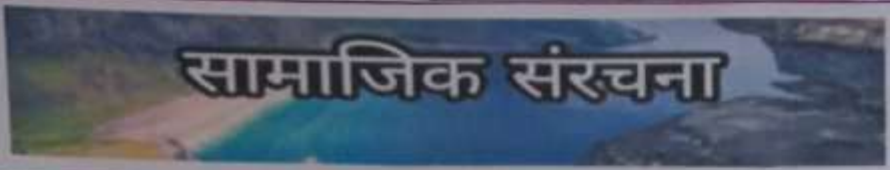


## विषय का चुनाव :—

सामाजिक संरचना इस विषय को जब मैंने अपने पाठ्यक्रम में देखा तब से मुझे इस विषय में जानने की जिज्ञासा हो रही है।

सामाजिक संरचना क्या है? उसके उद्देश्य क्या है? आदि के बारेमें में जानकारी प्राप्त करना चाहती हूँ। इसलिए मैंने अपने प्रकल्प विषय में सामाजिक संरचना इस विषय का चुनाव किया। तो आइए जानते है सामाजिक संरचना के विषय में :—

किसी शरीर या भौतिक वस्तु की संरचना के समान ही समाज की भी एक संरचना होती है. जिसे हम सामाजिक संरचना कहते हैं।

जिस प्रकार से हमारे शरीर की संरचना होती हैं. जो कि हमारे शरीर के अंगो की जैसे हाथ, पैर, पेट, नाक कान, आदि से मिलकर बनती है। उसी प्रकार से सामाजिक संरचना का अभिप्राय समाज की इकाईयों की क्रमबद्धता से हैं। सामाजिक इकाइया जैसे की समूह, समितियाँ, संस्थाएँ, परिवार, सामाजिक प्रतिमान आदि की क्रमबद्धता को सामाजिक संरचना कहा जाता हैं।

# Project Copy



इकाईयों का एक ऐसा प्रतिमानित संबंध जो अपेक्षाकृत स्थिर होता है, संरचना कहलाता है। उदाहरण के लिए आप एक मकान की संरचना को ले सकते है, जिसकी संरचना ईंट, चूना, सीमेंट आदि चीजों की सहायता से होती है। अगर मकान में ईंट, चूना, सीमेंट आदि को अलग-अलग कर दिया जाए तो मकान की संरचना नष्ट हो जाएगी। तो हमने सामाजिक संरचना क्या है यह समझ लिया आइए अब उसके उद्देश्यों के बारे में जानते है।

## अध्ययन के उद्देश्य :—

1] सामाजिकरण एवं सामाजिक नियंत्रण के परस्पर घनिष्ठ संबंध का अध्ययन करना।

2] जाति व्यवस्था अथवा वर्ग संरचना का अध्ययन करना।

3] विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं सामाजिक संस्थाओं के बारे में जानना।

4] सामाजिक स्तरण का ज्ञान प्राप्त करना।

5] सामाजिक संरचना तथा मुख्य धर्मों का अध्ययन कर ज्ञान प्राप्त करना।

# Project Copy



## सामाजिक संरचना से संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन

सामाजिक संरचना के अर्थ को विभिन्न समाजशास्त्रीयों की भिन्न - भिन्न परिभाषाओं द्वारा समझाया गया है, जो निम्नलिखित हैं :-

- ब्राउन के अनुसार – " समाज में व्यक्तियों एवं समूहों के बीच प्रचलित संबंध को सामाजिक संरचना कहा जाता है। सामाजिक संरचना मूर्त है, अमूर्त नहीं।"

इस प्रकार सामाजिक संरचना का अर्थ है कि पूरे विश्व के समाजों की संरचना। समाज की वास्तविकता संरचना, समाज की सामान्य संरचना से भिन्न होती हैं।

# Project Copy



**• रेमण्ड फर्थ –** रेमण्ड फर्थ ने समाज में प्रचलित अलग-अलग समूहों के सम्मिश्रण को सामाजिक संरचना कहा। उनके अनुसार सामाजिक संरचना में आर्थिक समूह दूसरे समूहों की अपेक्षा अधिक महत्वपूर्ण होते हैं तथा सामाजिक संगठन में सामाजिक संबंधों को सम्मिलित किया जाता है।

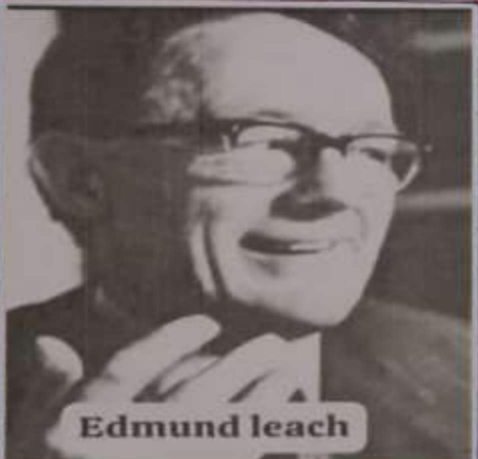

**एडमण्ड लीच के अनुसार –**

" संरचना वह शैली है जिसके अनुसार राजनीतिक शक्ति का वितरण किया जाता है, उन्होंने शक्ति को महत्वपूर्ण मानते हुए कहा कि शक्ति का वितरण और इसके वितरण की शैली सामाजिक संरचना का केन्द्र बिंदु है।

# Project Copy

5

## अध्ययन का महत्व :—

सामाजिक संरचना की अवधारणा को समाजशास्त्र और मानवशास्त्र दोनों में महत्वपूर्ण अवधारणा माना जाता है। समाज निरंतर गतिमान है। बदलते सामाजिक परिवेश में सामाजिक संरचना और सामाजिक व्यवस्था समाज की दो ऐसी इकाईयां हैं जो मानव समाज को आकार देती है और उसकी नींव को मजबूत करती हैं।

सामाजिक संरचना और व्यवस्था को समझे बिना सामाजिक संबंधो की अन्योन्याश्रितता, निकटता, अलगाव, विघटन आदि का अध्ययन नहीं किया जा सकता है। इस शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम हर्बर्ट स्पेंसर ने समाजशास्त्रीय साहित्य में किया था।

सामाजिक संरचना किसी भी समग्र का वह भाग है जिकसी विभिन्न इकाईयाँ व्यवस्थित और व्यवस्थित होकर उस समग्र को एक आकार देती है। उदाहरण के लिए, एक घर की संरचना में ईंट, मोर्टार, चूना, पत्थर आदि इकाईयों की एक परस्पर, समावेशी और व्यवस्थित व्यवस्था होती है।

सामाजिक संरचना का स्वरूप क्रमबद्धता है, और क्रमबद्धता संरचना के अस्तित्व को बनाए रखता है, क्योंकि गतिशीलता इसकी मुख्य विशेषता है।

# Project Copy



## सामाजिक संरचना की शोध प्रविधि :-

किसी क्षेत्र मे विशेष नवीन ज्ञान की खोज या पुराने ज्ञान का पुनः परीक्षण अथवा दूसरे तरीके से विश्लेषण कर नवीन तथ्यों का उद्घाटन करना शोध कहलाता है। यह एक निरंतर प्रक्रिया है, जिसमे तार्किकता, वस्तुनिष्ठता एवं क्रमबद्धता पायी जाती है। जब यह शोध सामाजिक संरचना से संबंधित क्षेत्र में होता है, तो उसे सामाजिक संरचना की शोध प्रविधि कहा जाता है। प्राकृतिक एवं जीव विज्ञानों की तरह सामाजिक शोध भी वैज्ञानिक होता है, क्योंकि इसमें वैज्ञानिक विधियों की सहायता से निष्कर्षों पर पहुँचा जाता है।

# Project Copy

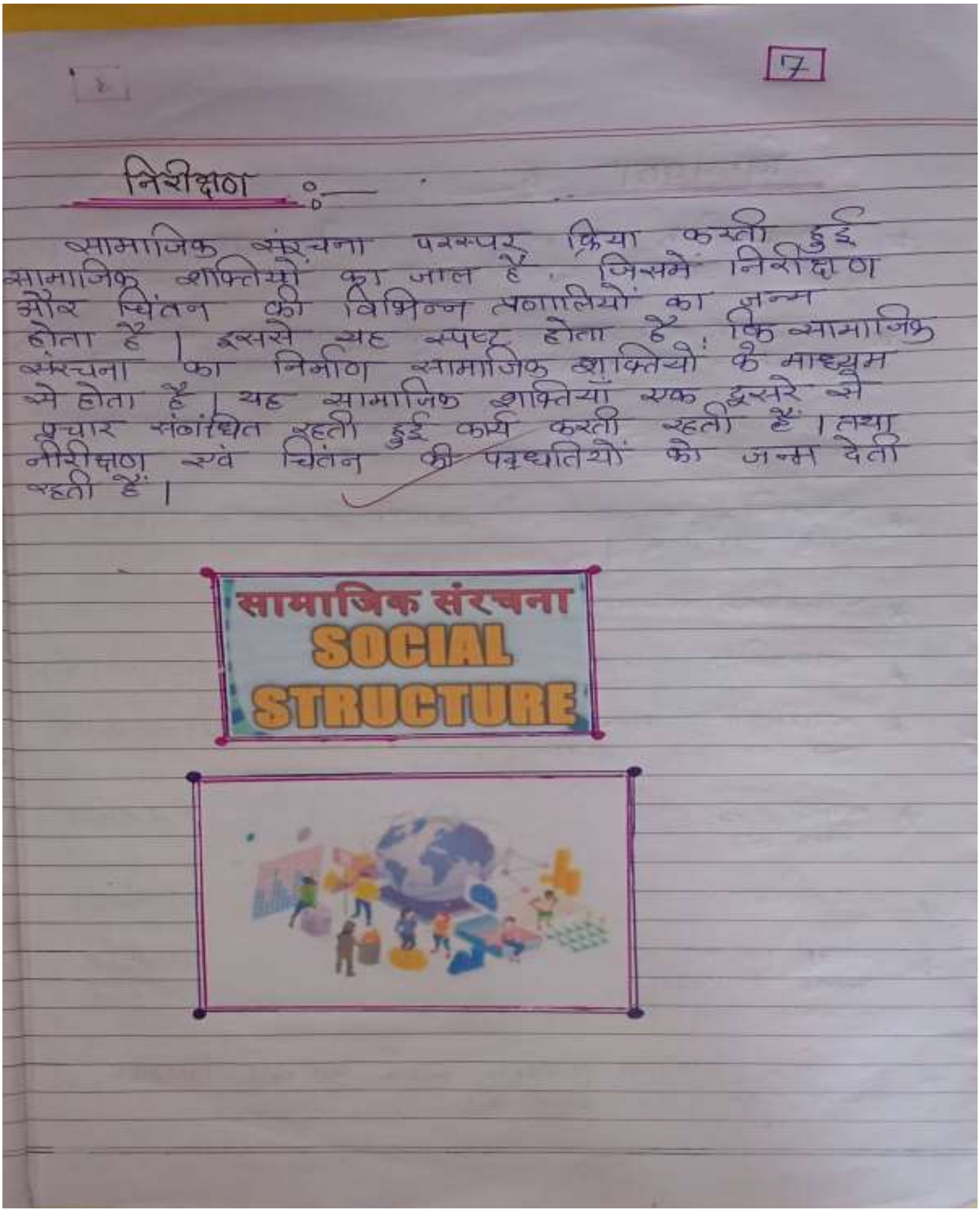

7

निरीक्षण :—

सामाजिक संरचना परस्पर क्रिया करती हुई सामाजिक शक्तियों का जाल है, जिसमें निरीक्षण और चिंतन की विभिन्न प्रणालियों का जन्म होता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि सामाजिक संरचना का निर्माण सामाजिक शक्तियों के माध्यम से होता है। यह सामाजिक शक्तियां एक दूसरे से प्रचार संबंधित रहती हुई कार्य करती रहती हैं। तथा नीरीक्षण एवं चिंतन की पद्धतियों को जन्म देती रहती हैं।

सामाजिक संरचना
SOCIAL STRUCTURE

# Project Copy

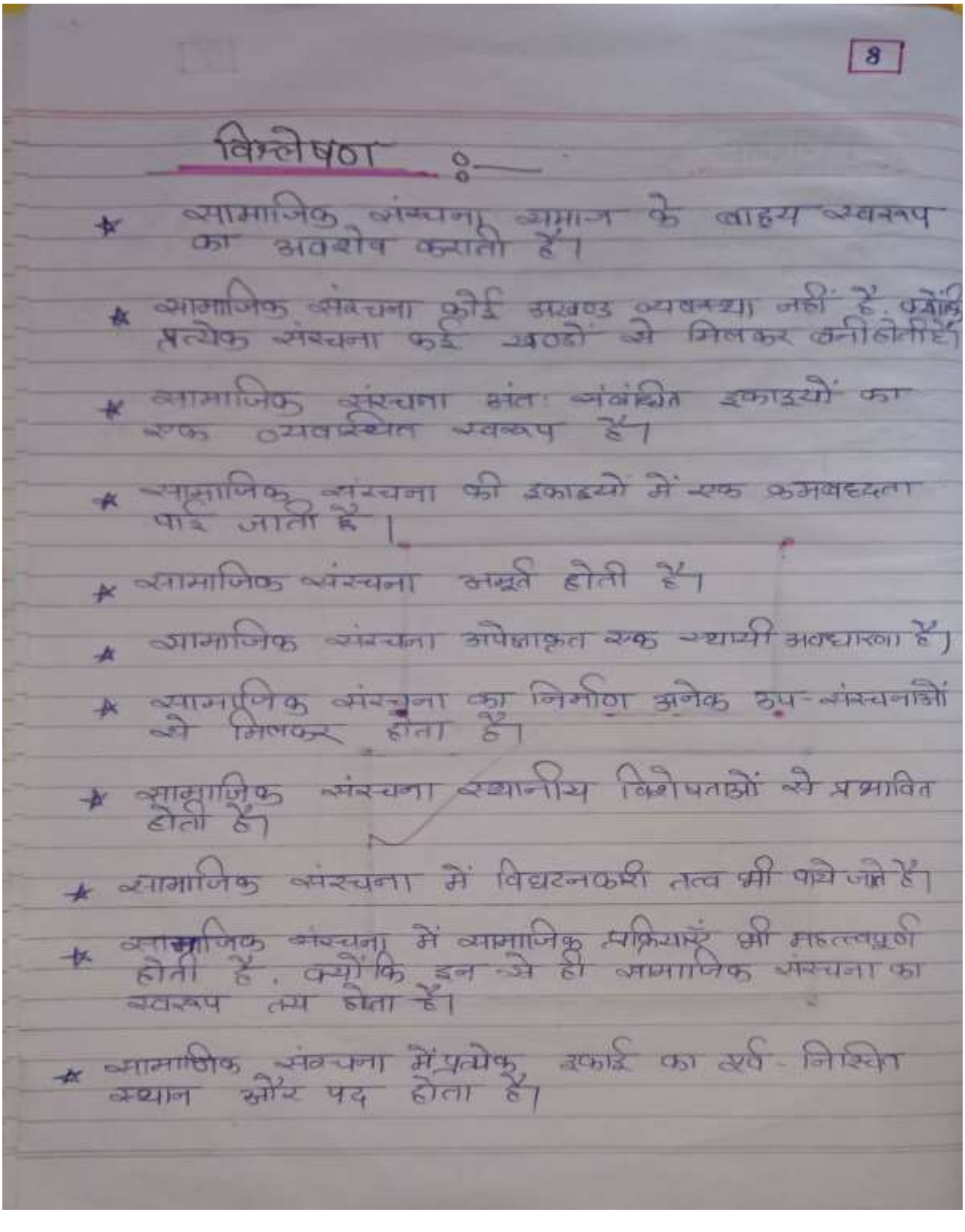

8

विश्लेषण :—

* सामाजिक संरचना समाज के बाह्य स्वरूप का अवबोध कराती है।
* सामाजिक संरचना कोई अखण्ड व्यवस्था नहीं है, क्योंकि प्रत्येक संरचना कई खण्डों से मिलकर बनी होती है।
* सामाजिक संरचना अंतः संबंधित इकाइयों का एक व्यवस्थित स्वरूप है।
* सामाजिक संरचना की इकाइयों में एक क्रमबद्धता पाई जाती है।
* सामाजिक संरचना अमूर्त होती है।
* सामाजिक संरचना अपेक्षाकृत एक स्थायी अवधारणा है।
* सामाजिक संरचना का निर्माण अनेक उप-संरचनाओं से मिलकर होता है।
* सामाजिक संरचना स्थानीय विशेषताओं से प्रभावित होती है।
* सामाजिक संरचना में विघटनकारी तत्व भी पाये जाते हैं।
* सामाजिक संरचना में सामाजिक प्रक्रियाएँ भी महत्वपूर्ण होती हैं, क्योंकि इन से ही सामाजिक संरचना का स्वरूप तय होता है।
* सामाजिक संरचना में प्रत्येक इकाई का पूर्व-निश्चित स्थान और पद होता है।

# Project Copy

9

## निष्कर्ष :-

सामाजिक संरचना की विभिन्न परिभाषाओं तथा इसकी प्रमुख विशेषताओं से यह पूर्णतः स्पष्ट हो जाता है कि यह समाज के विभिन्न अंगों की व्यवस्थित क्रमबद्धता है, जो किसी समाज में समय विशेष में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, प्रस्थितियों, भूमिकाओं, उपकरणों तथा सामाजिक प्रतिमानों के एक निश्चित ढंग से संबंध हो जाने के फलस्वरूप विकसित होती है।

समाजशास्त्र उन सभी सामाजिक संबंधों, मानव समूहों के बीच परस्पर सहयोग व संघर्ष का क्रमबद्ध अध्ययन करता है। जिस प्रकार अन्य सामाजिक विज्ञान जैसे, अर्थशास्त्र, भूगोल, इतिहास, मनोविज्ञान, राजनीतिविज्ञान, आदि अपने विषयों का एक खास अध्ययन विधि के द्वारा विधिवत अध्ययन करता है। इसलिए इसे विज्ञान का दर्जा भी दिया जाता है।